be pleased to state the number of shows given by the Songs and Drama Division of A.I.R. in Delhi and other places in 1967-68 and the expenses incurred thereon?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH):

	in Delhi	At other places
No. of shows given by Song and Drama Division from April to December, 1967, through its own troupes and through private troupes and artistes.	413	5231
Expenditure on programme activities from April to December, 1967.	Rs. 10,47,000/- Approx.	

Broadcast for External Services by A.I.R.

6256. SHRI BENI SHANKER SHARMA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the number and names of Radio Stations in India broadcasting news and views to the different foreign countries, country-wise?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH): The requisite information is contained in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-733/68].

साहित्यिक प्रसारण

6257. **श्री लखन लाल गुप्त :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1967 में आकाशवाणी के रायपुर केन्द्र (मध्य प्रदेश) से साहित्यिक प्रसारणों (कहानियां, कवितायें और आलोचनाएं) में भाग लेने के लिये कितने स्थानीय साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया; और

(ख) आकाशवाणी के उक्त केन्द्र से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षिक प्रगति दर्शाने वाले कार्यक्रमों के प्रसारण के लिये बनाई गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (ख). आकाशवाणी रायपुर आकाशवाणी भोपाल से सम्बद्ध एक सहायक केन्द्र है और भोपाल से प्रसारित होने वाले साहित्यिक कार्यक्रमों को रिले करता है। तथापि आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आर्थिक और शैक्षिक प्रगति दर्शाने वाले कार्यक्रम भी शामिल किये जाते हैं। भोपाल केन्द्र ने अपने कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये छत्तीसगढ़ के 106 साहित्यकारों को आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त आकाशवाणी रायपुर द्वारा मूल रूप से प्रसारित किये जाने वाले फार्म और घरेलू कार्यक्रमों में लगभग 5 मिनट का छत्तीसगढ़ संगीत भी प्रतिदिन प्रसारित किया जाता है। चौथी पंचवर्षीय योजना के मसौदे में रायपुर केन्द्र को एक पूरे केन्द्र में बदलने की व्यवस्था है, परन्तु यह साधनों की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

जवानों के बच्चों को छात्रवृत्तियां

6258. **श्री निहाल सिंह :** क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1962 में हुए भारत और चीन के युद्ध में मारे गये जवानों के बच्चों को दी गई छात्रवृत्तियों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) इस समय दी जाने वाली प्रत्येक छात्रवृत्ति की राशि कितनी है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मं० र० कृष्ण) : (क) तथा (ख). इस सम्बन्ध में ध्यान 28 फरवरी 1968 को उत्तर दिये गये अतारांकित प्रश्न संख्या 2102 के उत्तर से संलग्न विवरण की ओर आकर्षित किया जाता है।